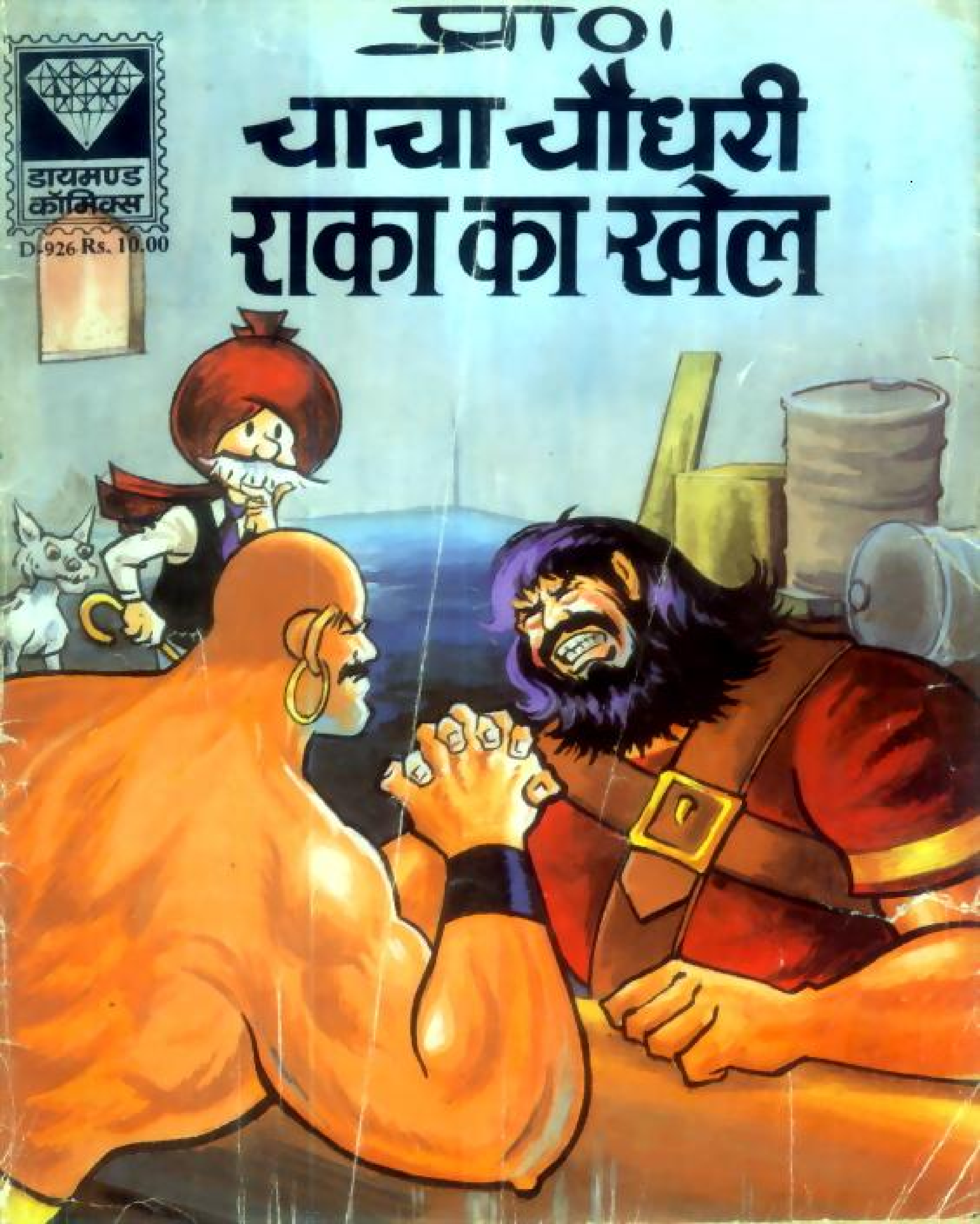
डायमण्ड
कॉमिक्स
D-926 Rs. 10.00
चाचा चौधरी
राका का खेल

TITLES CHACHA CHAUDHARY AND SABU AND THEIR CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES, A-94 NARAINA VIHAR, NEW DELHI-110028. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.

अनुपम अग्रवाल

तभी अचानक.
सब अपनी सीटों पर बैठे रहो! हम जहाज को हाइजैक कर रहे हैं.
जो कोई चीखा या चिल्लाया, उसे गोली मार दी जायेगी.
जहाज को नीचे उतारो!
कोई यात्री जहाज के बाहर नहीं जायेगा.
मिनिस्टर और सिक्युरिटी के हाई अफसरों की इमर्जेन्सी मीटिंग होती है.
हाइजैकर्स क्या चाहते हैं?-- पैसा?-- किन्हीं कैदियों की रिहाई?
नहीं, सर! 225 यात्रियों की रिहाई के बदले में हाइजैकर्स सिर्फ एक आदमी की मांग कर रहे हैं— चाचा चौधरी! वे उसे मारना चाहते हैं.

नहीं! हर नागरिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है. हम डाकुओं के आगे घुटने नहीं टेकेंगे.
स्पेशल टॉस्क फोर्स जहाज को चारों तरफ से घेर लेती है.
दूसरे दिन चाचा चौधरी अखबार उठाने के लिए आता है.
देखें, आज की हैडलाइन क्या है?
चाचा चौधरी को हमारे सुपुर्द करो हाइजैकर्स की मांग:
क्यों? अचानक कहां जाने की तैयारी करली?
बीनी! यह न पूछो तो बेहतर है.
© PRAN'S FEATURES

चाचाजी! क्या मैं आपके साथ चलूं?
नहीं, साबू! मैं अकेला ही जाना चाहता हूं.
कैप्टन किशोर! क्या मुझे लिफ्ट दोगे?
क्यों नहीं, चौधरी?
चाचाजी! आपको कहां उतारना है?
हाइजैक किये गये जहाज के ऊपर.
मैं समझ गया. आप डाकुओं के आगे आत्म-समर्पण करने जा रहे हैं. वे आपको मार डालेंगे.
देखो! 225 मासूम यात्रियों की जानें खतरे में हैं. मैं जैसा कहता हूं, वैसा करो.
ठीक है. मैं कोप्टर को नीचे करूंगा. आप कूद जाना.

मैं ठीक जहाज की छत पर कूदा.
रुको!
बिना आर्डर्स के गोली न चलाना. कमिश्नर का यही हुक्म है.
धड़ाक!
?
चाचा चौधरी! आखिर तुम आ गये.
हां! शर्त के मुताबिक अब तुम सारे यात्रियों को छोड़ दो.
शुक्र है हम छूट गये.
जान बच गयी.
वह एक बुरा सपना था.

चौधरी! अगर बता दो कि हमारा सरदार राका तुमने कहां छुपा रखा है तो हम तुम्हारी जान बख्श देंगे.
डाकू राका सारी दुनिया के लिए खतरा बन गया था. उसको मैंने अंतरिक्ष में दूर सुनसान ग्रह ज़ालूबार पर पहुंचा दिया जहां से उसका लौटना नामुमकिन है.
यारो! दुश्मन की तलाशी लो. कहीं यह कोई हथियार तो नहीं लाया.
उसकी जेबों से कुछ पान निकले हैं.
उसने तो मरना है. वह पान खाकर क्या करेगा? पान हम खाते हैं.
वाह!
खर्र! खर्र! खर्र!
दोनों लुढ़क गये.

आफिसर! जहाज़ में आकर हाईजैकर्स को गिरफ्तार कर लो.
यह कैसे मुमकिन हुआ?
नींद की दवाई मिले पानों ने करिश्मा दिखाया. ☼
☼ - चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से तेज चलता है.
दूर अंतरिक्ष में ज़ालूबार ग्रह पर डाकू राका.
मैं इस वीरान ग्रह पर घिर गया हूं. वापस पृथ्वी पर जाने का कोई रास्ता नजर नहीं आता.
एक वैज्ञानिक दम्पति का कैप्सूल ज़ालूबार ग्रह के पास आता है.
मीनाक्षी! क्यों न परीक्षण के लिए इस ग्रह से कुछ मेटीरियल इकट्ठा किया जाये?
जैसा तुम ठीक समझो सिद्धार्थ!
यहां चारों तरफ मिट्टी के टीले हैं. पानी का नामोनिशान नहीं.
कोई वनस्पति या प्राणी भी नहीं.

वह यान पृथ्वी से आया लगता है.
यह मुझे इस सुनसान ग्रह से छुटकारा दिलायेगा.
सिद्धार्थ! देखो, एक बड़ा आदमी हमारे कैप्सूल बम से छेड़छाड़ कर रहा है.
ऐ! दूर हटो!
अगर यह मौका निकल गया तो फिर मैं कभी यहां से जा नहीं सकूंगा.
धड़ाम!
© PRAN'S FEATURES

और राका कैप्सूल में बैठकर उड़ जाता है.
जालबार! अलविदा!!
उस कैप्सूल का मुख्य यान अंतरिक्ष में इंतजार करता मिलता है.
सिद्धार्थ और मीनाक्षी लौट रहे हैं.
175
कैप्सूल मुख्य यान में चला जाता है.
तुम? सिद्धार्थ और मीनाक्षी कहा हैं?
अगर तुम और जिन्दा रहना चाहते हो तो यान को पृथ्वी की तरफ ले चलो.
हम पृथ्वी की ओर जा रहे हैं.
175

175
हम सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आये हैं.
तुम मुझे यहां तक लाये, इसलिए तुम्हारी जान बख्शता हूं.
अहा! तरबूजों का खेत! बहुत दिनों से मैंने फलों का स्वाद नहीं चखा.
बहुत मीठे हैं. इसने मेरी प्यास और भूख दोनों तृप्त की.
मेरे खेत में कौन घुस आया?
कड़कती धूप में खेत में खाद और पानी मैं दूं, और तरबूज वह खाये? --- मैं अभी उसे सबक सिखाता हूं.

धड़ाकक!
कहो? इसका स्वाद कैसा है?
तुमने राका को मारा?
तुम्हारी सांसें यहीं खत्म होती हैं. मैं तुम्हारा गला घोंटता हूं.
आह!
वह मर गया!
दुनिया के लोगों, होशियार! राका आ गया है!!
© PRAN'S FEATURES

बाऊ! बाऊ!!
बीनी! राकेट क्यों भौंक रहा है?
वह कहीं भूखा तो नहीं?
मैंने उसे दूध और रोटी दी है.
बाऊ! बाऊ!!
राकेट रुको!
तूफान आने से पहले कुत्ते अक्सर भौंकते हैं.
गीदड़ को देखकर भी कुत्ते भौंकना शुरू हो जाते हैं.
चाचा चौधरी! तुम वही हो जिसने वीरान ग्रह ज़ालूबार में मुझे लम्बा अरसा बिताने पर मजबूर कर दिया था.
बाऊ! बाऊ!!

तुम मेरे लिए और मुसीबत खड़ी न करो, इसलिए तुम्हें खत्म कर देना बेहतर है.
राका! तुम अपने आप को ओवर एस्टीमेट कर रहे हो.
मेरी गोलियों की बौछार तुम्हारे जिस्म में बेशुमार छेद करने जा रही है!
मैं टाइम पर पहुंच गया.
ओह ह!
मेरी बंदूक!
वह तुम्हारे हाथ नहीं लगेगी.
धड़ाक!
मैं तुम्हें हाथों से मार सकता हूं.

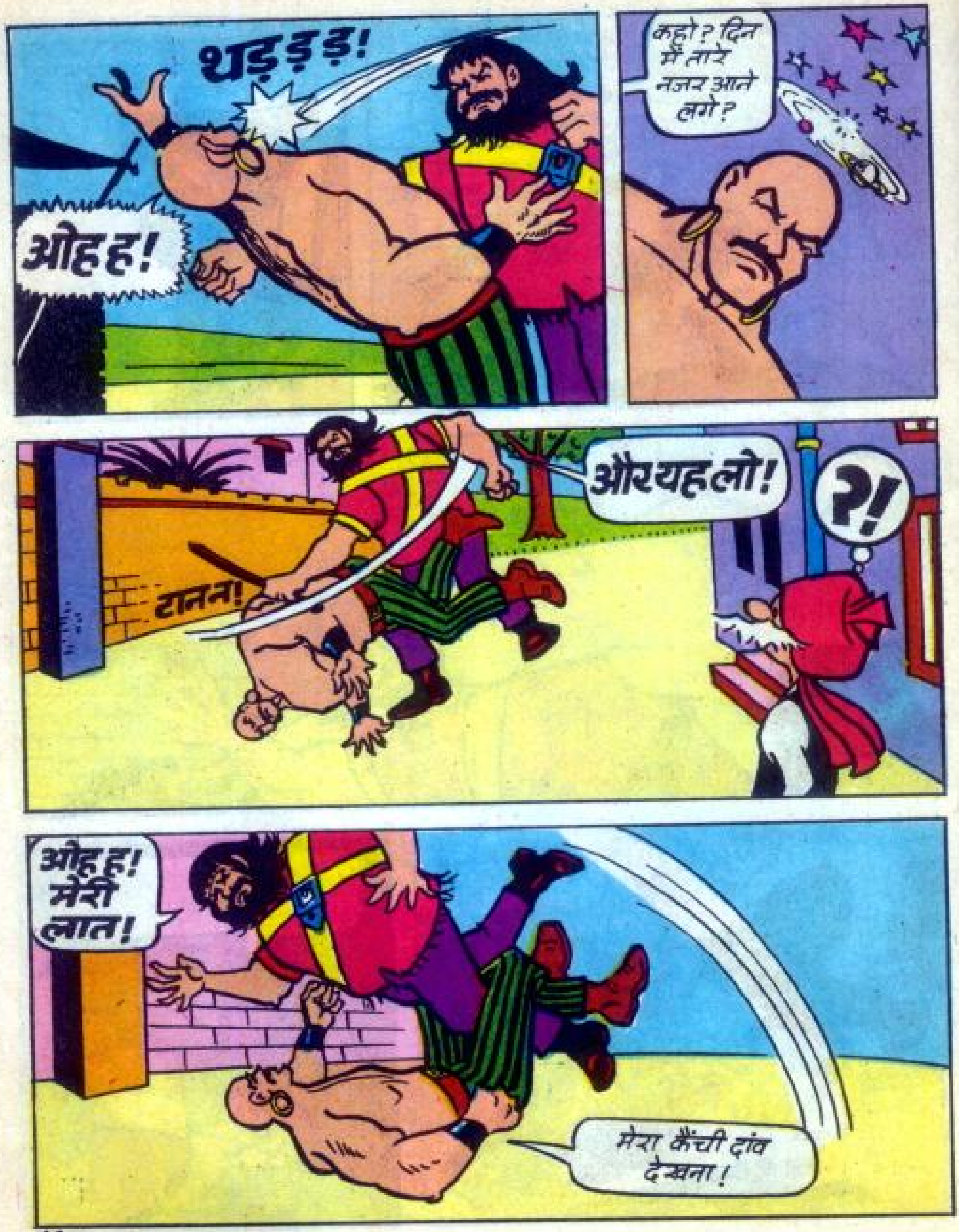
थड़ड़ड़!
ओहह!
कहो? दिन में तारे नजर आने लगे?
औरयहलो!
?!
टानन!
ओहह! मेरी लात!
मेरा कैंची दांव देखना!

धड़ाम्म म्म!
कहो? कैसी रही?
साबू! दुश्मन को पैरों पर खड़े होने का मौका न दो.
अर र र!
आहह! मैं उसे उठाने में कामयाब रहा.
मुझे नीचे उतारो!
आऊ ऊ ऊ!
लो!
© PRAN'S FEATURES

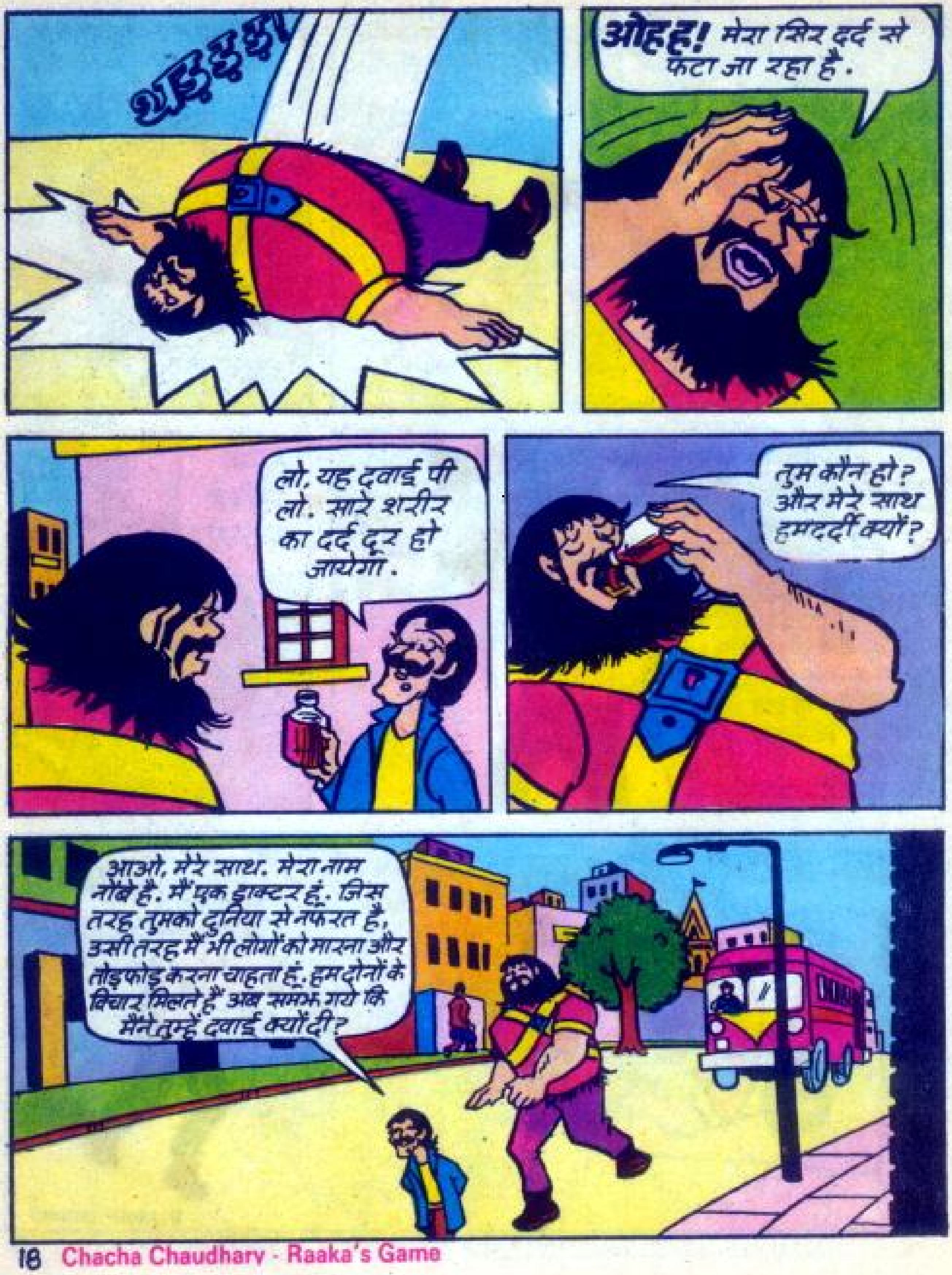
धड़ड़ड़!
ओहह! मेरा सिर दर्द से फटा जा रहा है.
लो, यह दवाई पी लो. सारे शरीर का दर्द दूर हो जायेगा.
तुम कौन हो? और मेरे साथ हमदर्दी क्यों?
आओ, मेरे साथ. मेरा नाम नोबे है. मैं एक डाक्टर हूं. जिस तरह तुमको दुनिया से नफरत है, उसी तरह मैं भी लोगों को मारना और तोड़फोड़ करना चाहता हूं. हम दोनों के विचार मिलते हैं अब समझ गये कि मैंने तुम्हें दवाई क्यों दी?

दोस्त, अंदर आ जाओ. क्या नाम है तुम्हारा?
राका!
अगर तुम्हारी ताकत और मेरा दिमाग मिल जाये, तो हम सारी दुनिया को खत्म कर सकते हैं. जरा सोचो इमारतों को गिरते देखकर कितना लुत्फ आयेगा.
मैं डाकू हूं. लूटमार करना मेरा काम है. मगर तुम डॉक्टर होकर क्यों तोड़फोड़ करना चाहते हो? यह मेरी समझ में नहीं आया.
इसके पीछे एक कहानी है:- कुछ साल पहले तक मेरा सुखी परिवार था.
मैं बीमारियों से लड़कर लोगों की जानें बचाता था.

"मेरे चैरिटेबल अस्पताल में लोग दूर से इलाज कराने आते थे"
डा. नोंबे चैरिटेबल अस्पताल
NCE
कहो मनीराम! कैसी तबीयत है?
अगर डाक्टर नोंबे न होते तो मैं न बचता, उनकी दवाई ने चमत्कार दिखाया.
"एक बार मेरी बेटी मिनी बीमार पड़ गयी."
मिनी का बुखार 106 डिगरी तक जा पहुंचा है.
फिक्र न करो, अर्चना! इंजेक्शन देते ही हमारी बेटी का बुखार उतर जायेगा.
"तभी एक पुलिस इन्सपेक्टर आया."
डाक्टर नोंबे! तुम्हें मेरे साथ चलना होगा. मिनिस्टर का इमर्जेन्सी आपरेशन करना है.
अपनी बीमार बेटी को इंजेक्शन लगा लेने दो.
नहीं! मिनिस्टर को बचाना ज्यादा जरूरी है. चलो!
© PRAN'S FEATURES

मेरी नन्ही बेटी बुखार में तड़पती रहेगी.
SOAP
अगर मिनिस्टर मर गया तो हम सबकी शामत आ जायेगी.
थियेटर
जल्दी जाओ!
क्या आपरेशन की सारी तैयारियां हो चुकी हैं?
हां, डाक्टर नौबे!
"मैं बेटी को भूलकर आपरेशन में लग गया. चार घंटों की व्यस्तता के बाद काम समाप्त हुआ.

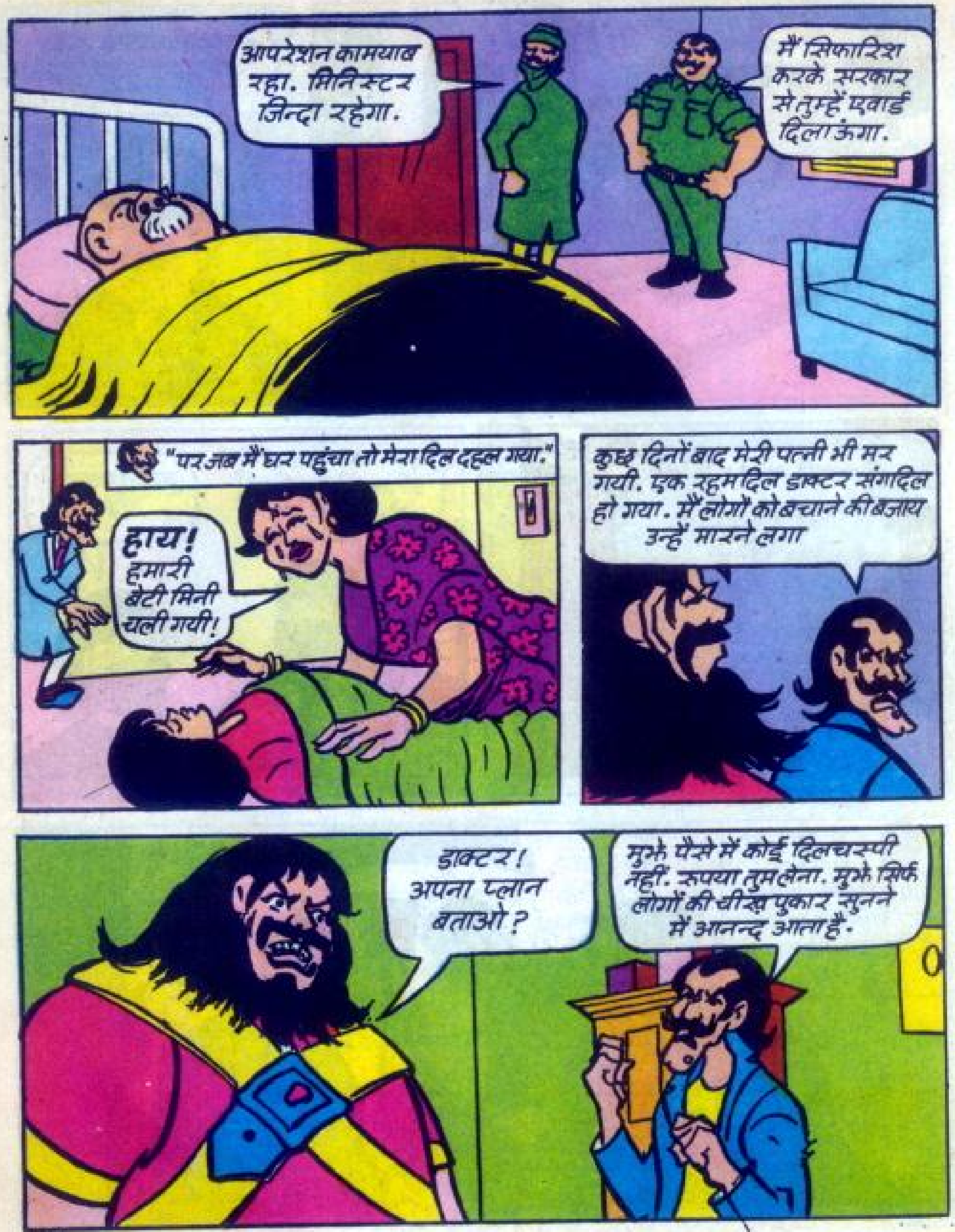
आपरेशन कामयाब रहा. मिनिस्टर जिन्दा रहेगा.
मैं सिफारिश करके सरकार से तुम्हें एवार्ड दिलाऊंगा.
"पर जब मैं घर पहुंचा तो मेरा दिल दहल गया."
हाय! हमारी बेटी मिनी चली गयी!
कुछ दिनों बाद मेरी पत्नी भी मर गयी. एक रहमदिल डाक्टर संगदिल हो गया. मैं लोगों को बचाने की बजाय उन्हें मारने लगा
डाक्टर! अपना प्लान बताओ?
मुझे पैसे में कोई दिलचस्पी नहीं. रूपया तुम लेना. मुझे सिर्फ लोगों की चीख पुकार सुनने में आनन्द आता है.

सबसे पहले पुलिस स्टेशन को बर्बाद करो.
वहां धन कहां?
यह काम लोगों के दिलों में डर पैदा करने के लिए किया जायेगा. लोग हमारा हुक्म मानेंगे.
यह काम हो गया समझो.
FILM
Bata
HOTEL
CLOTH
वह रहा पुलिस स्टेशन.
ऐ! किधर जाते हो?

टरररर!
ओह ह!
गोली चलने की आवाज़। वह आतंकवादी लगता है.
उसे ख़त्म कर दो!
टटररड़ड़!
ओह ह!
तेल का छिड़काव कर दिया है.
यह गयी आग!
OIL
© PRAN'S FEATURES

ओह! पुलिस स्टेशन में आग.
यह किसने लगायी?
उस विशाल आदमी ने.
आग लगाने से पहले उसने सारे पुलिसमैनों को मार डाला.
शहर में अमन चैन नहीं रहा.
अगर राका पुलिस स्टेशन जला सकता है तो हमारे घर भी सुरक्षित नहीं.
शाबाश! सारे शहर में तुम्हारी चर्चा है. लोग तुमसे भयभीत हैं.
अगला काम बताओ?
शहर में क्रिकेट टैस्ट हो रहा है.
डाक्टर! तुम क्या चाहते हो, मैं मैदान में जाकर बैटिंग करूं?
नहीं! विदेशी टीम खेल रही है. अगर तुम उसके खिलाड़ियों का अपहरण कर लो तो मुआवजे में अच्छी रकम मिल सकती है.

अगर खिलाड़ी के मां-बाप गरीब हुए तो?-- अगर वे रकम देने में असमर्थ रहे तब?
हमें पैसे वह संस्था देगी जिसने क्रिकेट शृंखला का आयोजन किया है. करोड़ों रुपयों के टिकट्स बिक चुके हैं.
डाक्टर! तुम्हारा भेजा अच्छा चलता है.-- बात में दम है.
फुररररर!
जितना पैसा मिलेगा, वह तुम रखना. मैं तो टी.वी. पर तमाशा देखकर खुश होऊंगा.
अच्छा, मैं चला. क्रिकेट स्टेडियम की तरफ.
© PRAN'S FEATURES

क्रिकेट स्टेडियम.
बैट्समैन धुंआधार बल्लेबाजी कर रहा है.
टैस्ट दिलचस्प मोड़ पर है.
स्टाक!
छक्का!
तुम?--फील्ड में क्यों आये? मैं अभी आटोग्राफ नहीं दूंगा. मेरी सैंच्युरी बनने में सिर्फ एक रन की कमी है.
अररर! क्या कर रहे हो? --मुझे नीचे उतारो!

ऐ! खिलाड़ी को कहां ले जा रहे हो?
रुको!
आऊ.ऊ.!
टररररड़ड़!
खेल तो दूसरा रंग ले रहा है! -- साबू!
हू-हूबा!

यह पत्थर की सिल काम आयेगी
ठकककक!!
राका अच्छा स्कोर बना रहा है. हा! हा!!
धड़ड़!
कहो? कैसी रही?
भागो!
धड़ाक!

यह मेरी भारी बैल्ट किसी हथियार से कम नहीं.
तड़ाक!
इसकी मार से तुम्हारा जिस्म लहूलुहान कर दूंगा.
ओह्ह! मेरा हाथ!
मेरी पकड़ से तुम उसे छुड़ा नहीं सकते.
वह गया तुम्हारा आखिरी हथियार!
तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते. मैंने वैद्यराज धकमाचार्य की अद्भुत दवाई पी रखी है, जिससे मैं मर नहीं सकता. मैं अपने हाथों से तुम्हारा गला घोंट दूंगा.
© PRAN'S FEATURES

धड़ाक्क्क
उससे पहले तुम मेरी लात खाओ!
आवहहह!
जल्दी से हथकड़ी दो!
यह क्या कर रहे हो?
तुम्हें जेवर पहना रहा हूं.
साबू! राका को सीधा सैंट्रल जेल ले जाओ!
ओवर की अगली गेंद फैंको!

तुम मुझे ज्यादा दिनों तक बंद नहीं रख सकते. जिस दिन मैं बाहर आऊंगा, सबसे पहले तुम्हारा खून करूंगा
उस वक्त देखेंगे.-- फिलहाल मैं क्रिकेट मैच देखने जा रहा हूं.
बैट्समैन रन लेने के लिए दौड़ रहा है:---
भाई साहब! क्या स्कोर है?
कमेंट्री रोककर एक जरूरी समाचार--- खतरनाक डाकू राका पकड़ा गया है. बहादुर साबू ने उसे सैंट्रल जेल में डाल दिया है.
इससे जनता को राहत मिलेगी.
-- राका जिस जेल में बंद है. वहां ज्यादा से ज्यादा सीक्युरिटी तैनात की गयी है. ---
साथी को जेल से निकालने के लिए कुछ करना होगा.
©. PRAN'S FEATURE

चाचाजी! राका जेल चला गया. मुसीबत टली.
सिर्फ कुछ अरसे के लिए, साबू!
राका कभी भी जेल तोड़कर बाहर आ जायेगा. फिर वह दोगुना खूनखराबा करेगा. कोई स्थायी हल खोजना होगा.
वह क्या हो सकता है?
हमें बाबा भोलाशोला के पास जाना होगा. वह हिमालय पर्वत पर तपस्या करते हैं.
तब फिर हमें देर नहीं करनी चाहिए.
हमारे ट्रक डगडग का अगर रास्ते में मिजाज खराब नहीं हुआ तो हम पहाड़ पर जल्दी पहुंच जायेंगे.

बाबा भोलारोला हिमालय पर कब गये थे?
बचपन से ही. उन्हें तपस्या करने की धुन सवार थी.
क्या बाबा जी कभी अपने परिवार वालों से मिलने शहर नहीं आते?
उनका इस दुनिया में कोई नहीं है.
डगडग को यहीं छोड़कर आगे हमें पैदल जाना होगा.
यहां कितना मनोरम दृश्य है.
बस हमें अगली चोटी तक जाना है.
बाबा भोलारोलाजी! प्रणाम!
हरि ओम!
आओ, चौधरी! जो भक्त शहर से आते हैं, वे तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बताते हैं.
© PRAN'S FEATURES

बाबाजी। आप हिमालय की बर्फीली हवाओं में बिना ऊनी कपड़े पहने कैसे जिन्दा हैं?
यह एक पत्ती खाओ!
लो खा ली. इससे क्या होगा?
एक मिनट बाद.
ओह ह! गर्मी!
हा! हा! अभी तुमने एक पत्ती खायी और स्वेटर उतार दिया. अगर दो पत्तियां खा लेते तो पैंट भी फैंक देते. पहाड़ पर ऐसे चमत्कारी पौधे बहुत हैं.
चौधरी! क्या चीज तुम्हें यहां खींच लायी?
राका नाम के खौफनाक डाकू को बंद करने के लिए हमें किसी ऐसे स्थान की तलाश है, जहां से वह बाहर न आ सकें.
आओ, मेरे साथ!

यह गुफा बहुत अंधेरी और गहरी है. इसका किसी को सुराग नहीं. अगर किसी को इसके अंदर धकेलकर इसे बाहर से बंद कर दिया जाये तो वह कभी बाहर नहीं आ सकेगा.
धन्यवाद, बाबाजी!
वापस चलें और देखें मैदानी शहरों के क्या हाल हैं.
डाक्टर नोबे कैदी से मिलने जेल जाता है.
राका! तुम ज्यादा दिन यहां बंद नहीं रहोगे.
मुझ में बदले की आग भड़क रही है.
समय हो गया, मैं चलता हूं दोस्त! शेक हैन्ड करो.
ऐसे शेक हैन्ड करना होगा, डाक्टर!
हैं! डाक्टर ने शेक हैन्ड के बहाने मेरे हाथ में एक रेती थमा दी. इससे मैं हथकड़ी काट सकता हूं.

हां, रेती काम कर रही है, उसकी रगड़ से लोहा कट रहा है.
जंजीर टूट गयी!
सीक्युरिटी गार्ड्स.
उस कोठरी में से आवाज आयी.
राका अपनी शक्ति का प्रयोग करता है.
धांय! धांय!
अब मुझे कोई नहीं रोक सकता.

तुम्हारी मौत मेरे हाथ से लिखी थी!
धड़ाक!
खटाक!
आऊ ऊ!
वह जेल की दीवार फांद जाता है.
मैं इस आबाद शहर को वीरान जगह में बदल दूंगा. जगह जगह लाशों के ढेर होंगे.
© PRAN'S FEATURES

दो विदेशी एजेन्ट्स.
हमें इस देश में दहशत फैलाने के लिए भेजा गया है.
मैंने एक बैग चुपके से उस बैंच पर रख दिया है.
उस बैग में बम है. जो कोई उसे लावारिस समझकर उठायेगा, वह विस्फोट में मारा जायेगा.
एक बैग?-- उसका मालिक आसपास दिखायी नहीं देता.
इसे खोलकर देखूं, शायद इसमें मेरी हथकड़ी खोलने के औजार मिल जायें?
कड़ड़ड़ ड़ड़बम म!
हो! हो!! कामयाबी मिली.

धमाके से मेरी हथकड़ियां टूटकर गिर पड़ीं.
इतने पावरफुल बम से भी वह मरा नहीं.
उसको जिन्दा छोड़ना हमारे लिए खतरा है. मैं उसे शूट कर देता हूं.
धांय! धांय!!
मच्छरों! दूर हटो!
धड़ाक!
दोनों मर गये.
राका आओ! मैंने एक अच्छा प्लान सोचा है. हम एक सर्व प्रभुत्व सम्पन्न राज्य राकालैंड की स्थापना करते हैं. उस स्टेट के तुम डिक्टेटर बनोगे और मैं तुम्हारा मिनिस्टर

रात को सारा शहर सो रहा है. किसी को खबर नहीं अगले दिन सवेरे क्या होने वाला है.
सुबह.
मम्मी! बाय बाय!! मैं स्कूल जाता हूं.
STORE
हार्न! हार्न!!
वह बेवकूफ ताड़ के पेड़ की तरह सड़क के बीच खड़ा है.
बस रुकती है.
अर र!
बाहर आओ!
धांय! धांय!!
© PRAN'S FEATURES

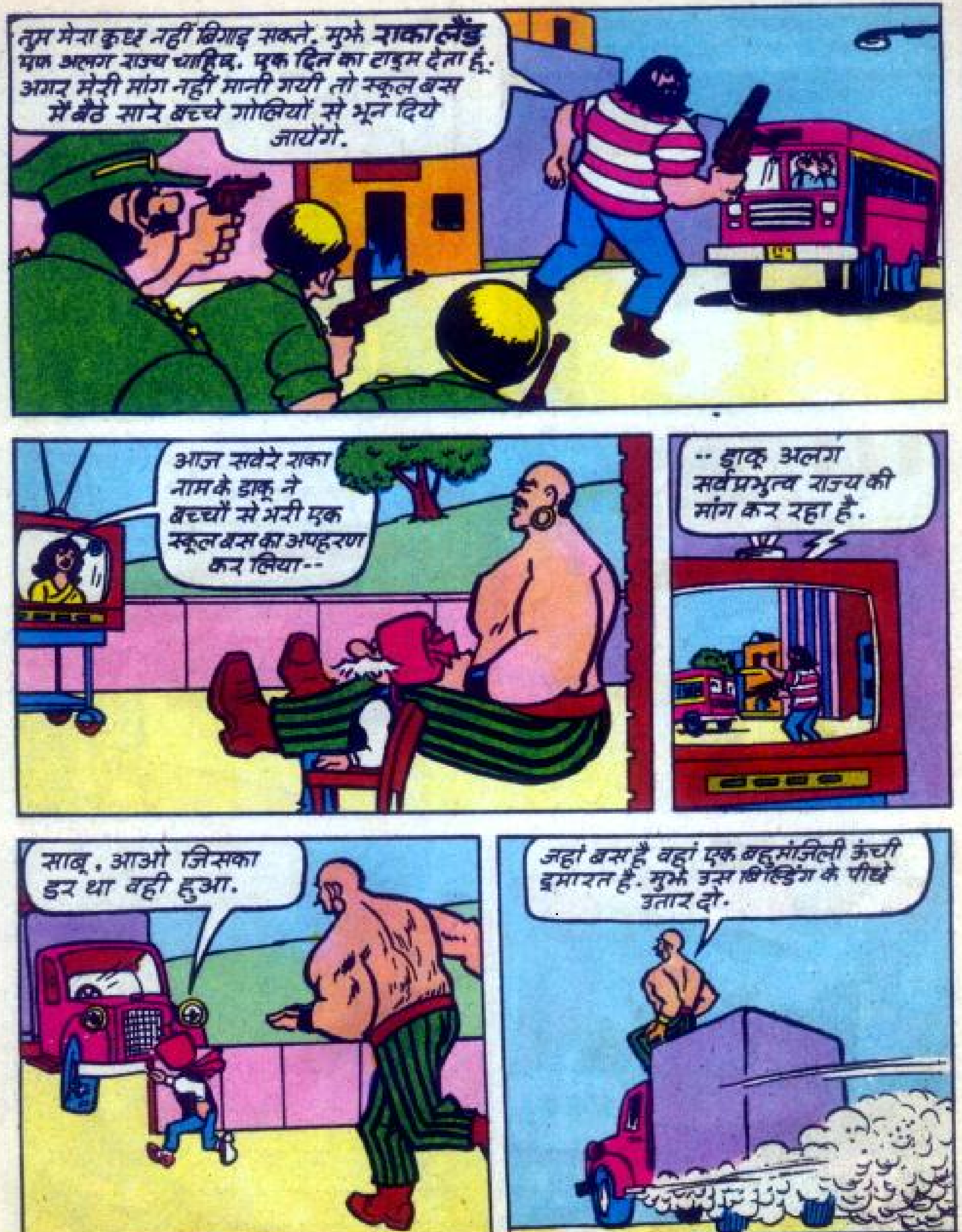
तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते. मुझे राका लैंड एक अलग राज्य चाहिए. एक दिन का टाइम देता हूं. अगर मेरी मांग नहीं मानी गयी तो स्कूल बस में बैठे सारे बच्चे गोलियों से भून दिये जायेंगे.
आज सवेरे राका नाम के डाकू ने बच्चों से भरी एक स्कूल बस का अपहरण कर लिया--
-- डाकू अलग सर्वप्रभुत्व राज्य की मांग कर रहा है.
साबू, आओ जिसका डर था वही हुआ.
जहां बस है वहां एक बहुमंजिली ऊंची इमारत है. मुझे उस बिल्डिंग के पीछे उतार दो.

इस बिल्डिंग के दूसरी तरफ वह जगह है जहां राका ने बच्चों को बस में बंदी बना रखा है.
मैं छत पर जाता हूं.
चाचा चौधरी दूसरी तरफ जाता है.
राका! मासूम बच्चों को रिहा कर दो. उनके मां-बाप परेशान होंगे.--
हमारे देश में प्रजातांत्रिक प्रणाली है. तुम चुनाव जीतकर राष्ट्रपति बन सकते हो. खून खराबे से कोई समस्या हल नहीं हुई.-- तुम्हारा जवाब क्या है?
यह!
धांय!!

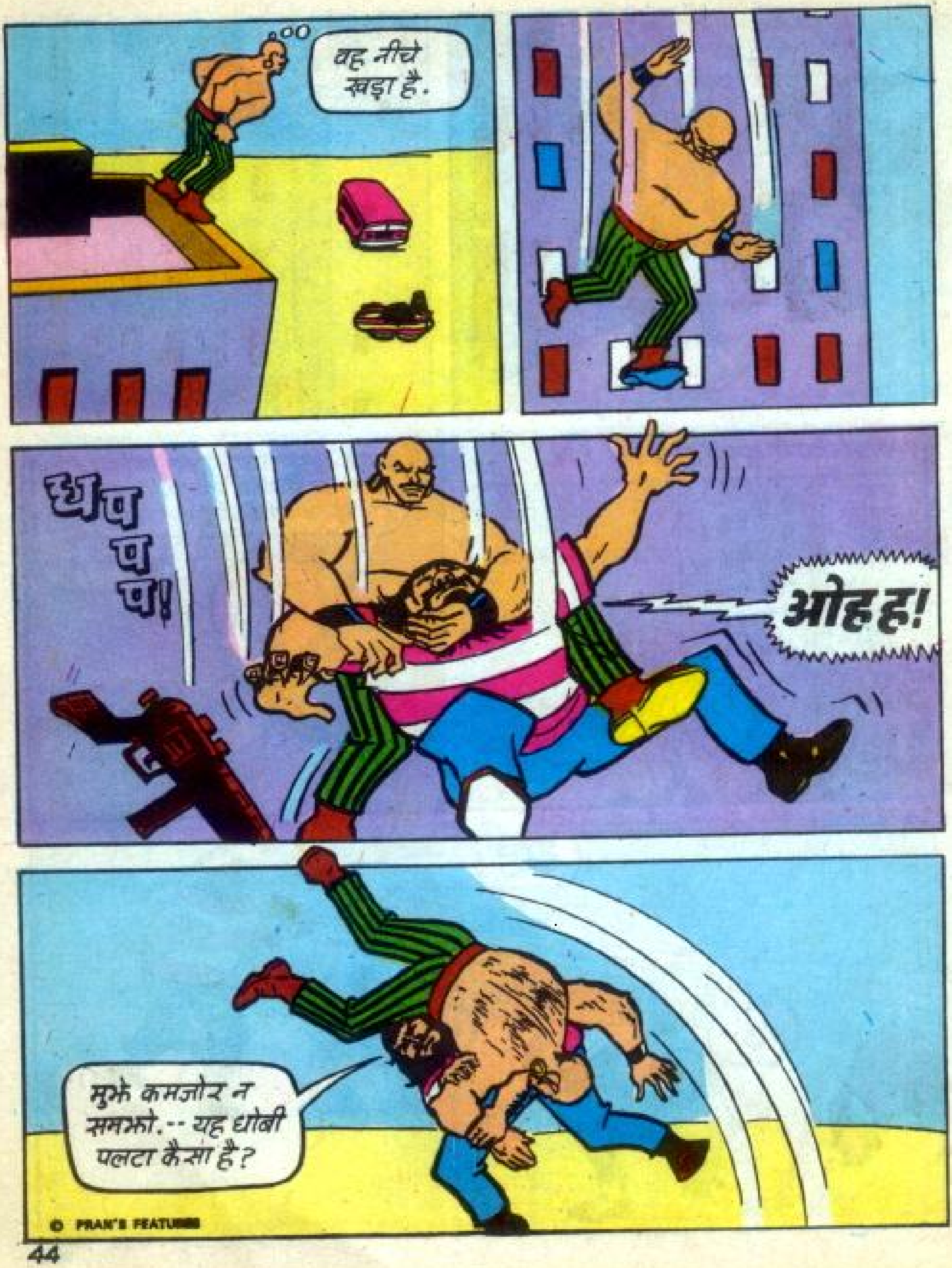

वह नीचे खड़ा है.
धपपपप!
ओहह!
मुझे कमजोर न समझो.-- यह धोबी पलटा कैसा है?
© PRAN'S FEATURES

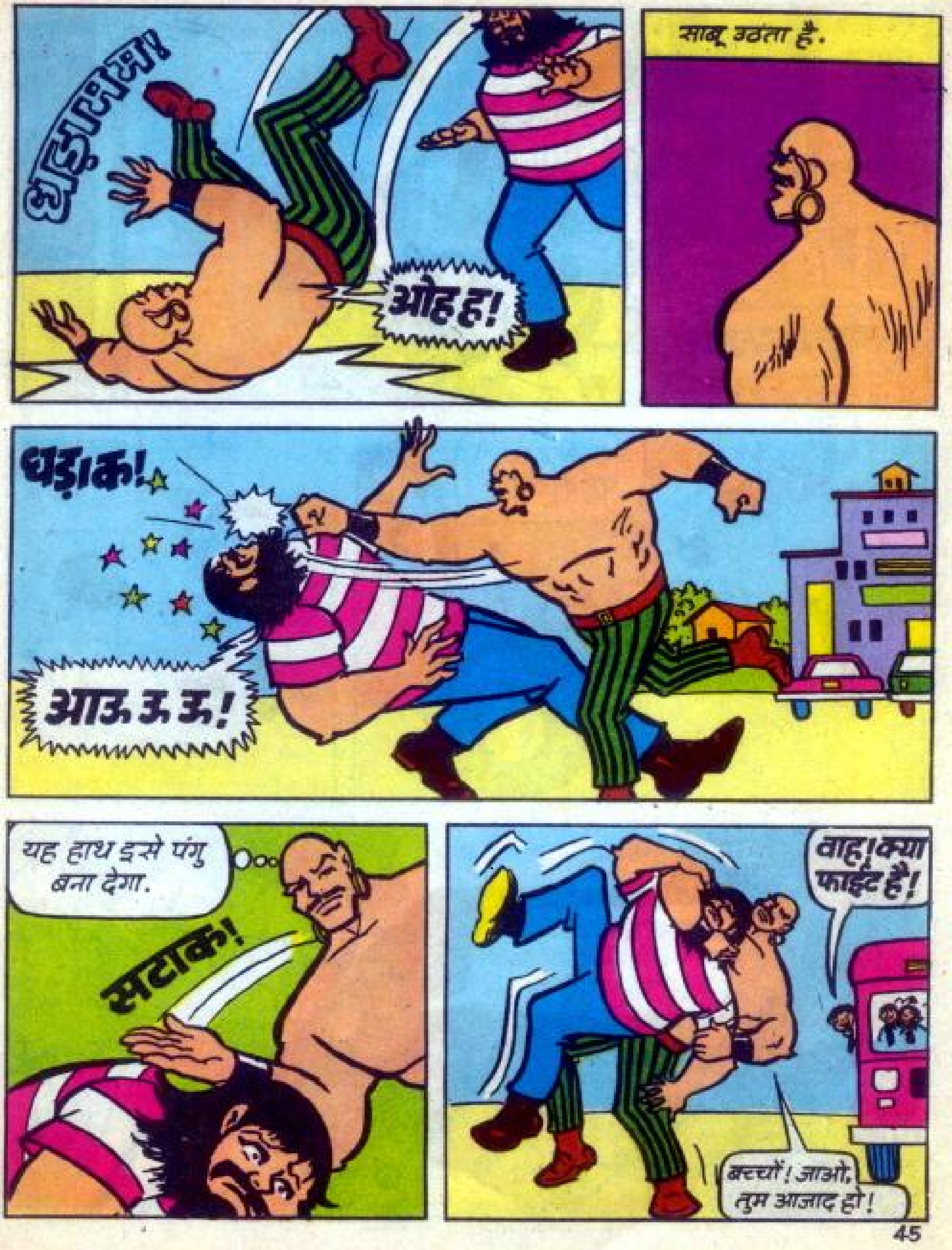
धड़ामम!
ओहह!
साबू उठता है.
धड़ाक!
आऊ ऊ ऊ!
यह हाथ इसे पंगु बना देगा.
सटाक!
वाह! क्या फाईट है!
बच्चों! जाओ, तुम आजाद हो!

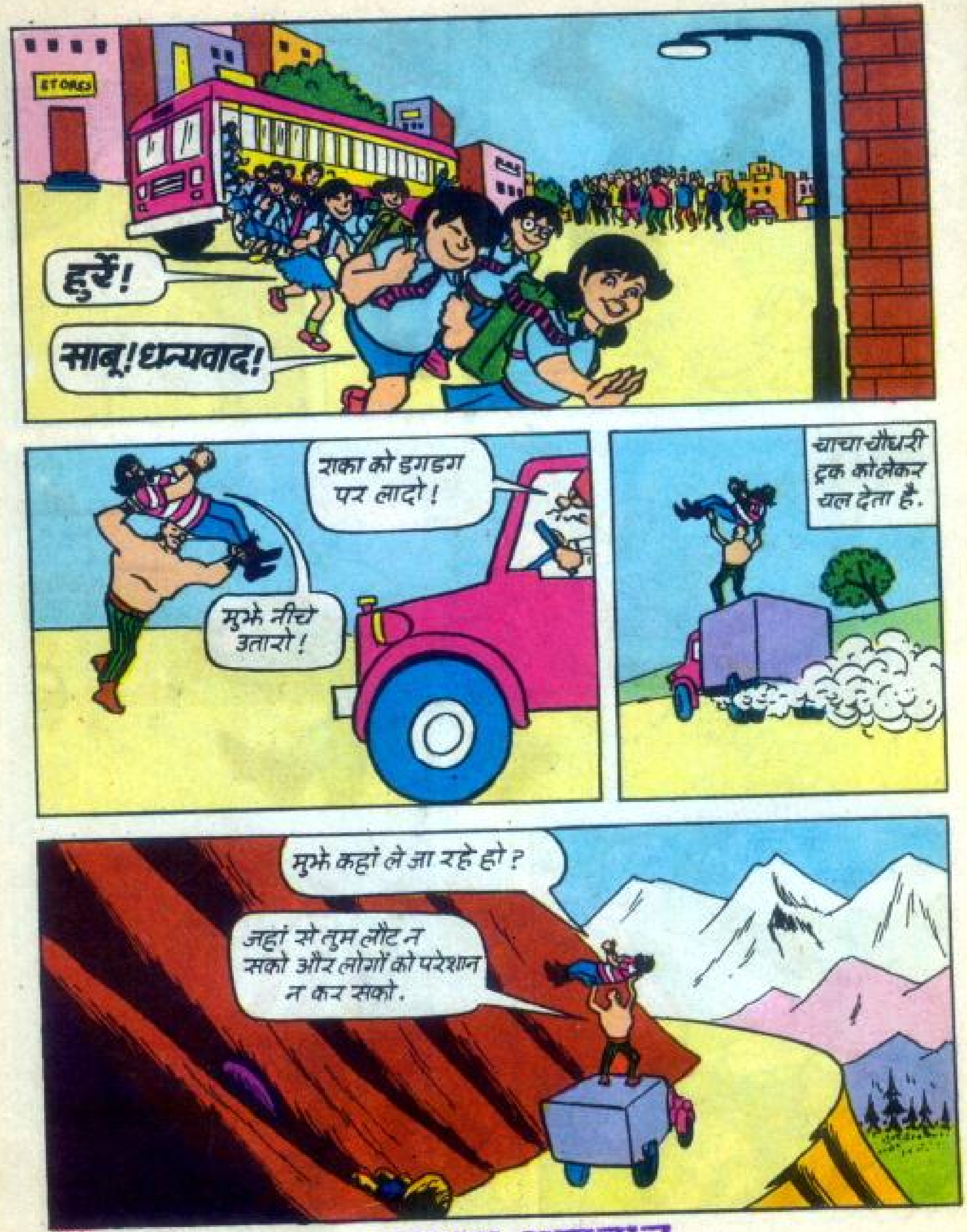
हुर्रे!
साबू! धन्यवाद!
राका को डगडग पर लादो!
मुझे नीचे उतारो!
चाचा चौधरी ट्रक को लेकर चल देता है.
मुझे कहां ले जा रहे हो?
जहां से तुम लौट न सको और लोगों को परेशान न कर सको.

अनुपम अग्रवाल

साबू! उसे जल्दी अंदर धकेलो. पहाड़ हिल रहा है.
मुझे गुफा में मत डालो!
तभी पहाड़ से पत्थरों की वर्षा होने लगती है.
साबू! बचो!
और गुफा का द्वार भारी पत्थरों से हमेशा के लिए बंद हो जाता है.
चाचाजी! डगडग की रफ्तार बढ़ाइए. भूख लगी है. चाची ने आलू के परांठे बनाये होंगे.
डाक्टर! तुम्हें गिरफ्तार करने का वारंट है.
© PRAN'S FEATURES

अनुपम अग्रवाल